मनोज कुमार सिंह को मिला राष्ट्रीय पुरस्कार

चर्चा में क्यों?

5 सितंबर, 2021 को शिक्षक दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने वर्चुअल माध्यम से राज्य के **हिंदुस्तान मित्र मंडल स्कूल, गोलमुरी के शिक्षक मनोज कुमार सिंह** को **राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार, 2021** से सम्मानित किया।

प्रमुख बिंदु

- मनोज कुमार सिंह इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के **झारखंड से एकमात्र प्राप्तकर्त्ता** हैं। पुरस्कार में उन्हें एक पदक, एक प्रमाण-पत्र और 50,000 रुपए दिये गए।
- मूलरूप से बिहार के गया के रहने वाले मनोज कुमार सिंह ने कक्षा एक से आठ तक के लिये **जेसीईआरटी हेतु गणित की किताब तैयार** की थी तथा कोविड के दौरान स्कूल बंद रहने के बाद भी बच्चों को गणित पढ़ाते थे।
- उन्हें जटिल गणितीय अवधारणाओं को नवोन्मेषी व्यावहारिक और कला-आधारित शिक्षाशास्त्र के माध्यम से पढ़ाने के लिये जाना जाता है, जो ज़्यादातर कक्षा के बाहर किया जाता है। वह अपने **YouTube** चैनल '**क्रिएटिव लर्निंग विथ मनोज**' के माध्यम से ऑनलाइन शिक्षण भी संचालित करते हैं।
- वह **झारखंड शिक्षा अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (जेसीईआरटी)** की **ई-कंटेंट डेवलपर टीम** का भी हिस्सा हैं, जिन्होंने **डिजी स्कूल ऐप** के माध्यम से महामारी के दौरान गणित के लिये ऑनलाइन सामग्री तैयार की है।
- गौरतलब है कि वर्ष 1958 में स्थापित, 'राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार' **केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय** द्वारा प्राथमिक, माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के मेधावी शिक्षकों को सार्वजनिक मान्यता देने के लिये हर साल शिक्षक दिवस पर प्रदान किया जाता है।
- इस पुरस्कार में एक रजत पदक, प्रमाण-पत्र और 50,000 रुपए दिये जाते हैं।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/manoj-kumar-singh-received-national-award